दैनिक नवीन कदम

रायगढ़, सोमवार 11 मार्च 2019

लोक अदालत में 50 प्रकरणों का निराकरण

चांपा के लोक अदालत में रखे गए थे कुल 623 प्रकरण

नवीन कदम / न्यूज

जांजगीर-चांपा। साल के पहले नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज हुआ। जिला न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव के निर्देश पर तालुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष व व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1 चांपा ओमप्रकाश जायसवाल की अध्यक्षता में खंडपीठ का गठन किया गया।

खंडपीठ के समक्ष न्यायालय में लंबित दांडिक प्रकरण 105, चेक बाउंस के 35, सिविल के 7 व 476 प्रीलिटिगेशन सहित कुल 623 प्रकरण आपसी समझौता के आधार पर निराकरण करने के लिए रखा गया था। इनमें से न्यायालय में लंबित 29 अपराधिक प्रकरण, 4 व्यवहार प्रकरण, 9 चेक बाउंस के प्रकरण एवं प्रीलिटिगेशन के 8 सहित कुल 50 प्रकरणों का निराकरण किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ न्यायाधीश ओमप्रकाश जायसवाल ने भारत माता के तैल चित्र पर पूजा

अर्चना कर किया। न्यायाधीश ने उपस्थित पक्षकारों को लोक अदालत के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि लोगों को शीघ्र एवं सस्ता न्याय सुलभ कराने की मंशा से लोक अदालत का आयोजन तहसील, जिला एवं उच्च न्यायालय स्तर पर किया जाता है। इसमें आपसी समझाइश व सुलह के आधार पर सौहाद्रपूर्वक वार्ता कर प्रकरणों का निराकरण किया जाता है। आपसी समझौते के आधार पर निराकृत प्रकरणों में अपील नहीं किया सकता। साथ ही पूर्व में लगे संपूर्ण न्याय शुल्क वापस किया जाता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में ऐसे प्रकरणों को भी लिया जाता है जो वर्तमान में न्यायालय में पेश नहीं हुए हैं तथा भविष्य में वाद का कारण बन सकता है। ऐसे प्रकरणों को प्रीलिटिगेशन के रूप में लिया जाता है। लोक अदालत में बैंक के द्वारा वन टाइम सेटलमेंट योजना के तहत छूट दिए जाने के कारण हितग्राहियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अपराधिक प्रकरणों में भी अनेक पक्षकारों ने मनमुटाव समाप्त कर राजीनामा के लिए सहमत होकर अपने प्रकरणों का निराकरण कराया। इस मौके पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष विजय पटेल, संजय सोयेत्रा, एसएन श्रीवास, मनीष गुप्ता सहित पक्षकार व अन्य अधिवक्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

भारत का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में निवेश के लिए सउदी अरब को न्योता

नईदिल्ली। भारत ने देश में रणनीतिक तेल भंडारण सुविधा के क्षेत्र में सउदी अरब को निवेश के लिए आमंत्रित किया है। साथ ही सरकार सउदी अरब के साथ मिलकर 44 अरब डॉलर यानी करीब 3.08 लाख करोड़ रुपये की लगात से एक नया तेल शोधन एवं पेट्रोरसायन संयंत्र स्थापित करने की परियोजना को जिवित रखने का प्रयास कर रही। महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिल में स्थापित की जाने ली इस परियोजना के लिए वहां की सरकार तय जगह पर जमीन का प्रबंध नहीं कर सकी है। महज तीन सप्ताह में दूसरी बार भारत आए सउदी अरब के तेल मंत्री खालिद अल फालीह ने पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ तेल शोधन एवं पेट्रोरसायन परिसर के बारे में चर्चा की। महाराष्ट्र सरकार में भाजपा की सहयोगी शिवसेना पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन के लिए हुए समझौते के तहत सरकार ने इस परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण की अधिसूचना वापस ले ली है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में कहा, ''दोनों मंत्रियों ने भारतीय तेल एवं गैस क्षेत्र में सउदी अरब के निवेश के प्रस्तावों की समीक्षा की। इनमें करीब 44 अरब डॉलर की लागत से महाराष्ट्र में तैयार होने वाली संयुक्त पश्चिम तटीय परिशोधन एवं पेट्रोरसायन परियोजना भी शामिल रही।'' दोनों नेताओं ने शनिवार रात को मुलाकात की। बयान में परियोजना के लिये वैकल्पिक स्थल की कोई जानकारी नहीं दी गयी। इस परियोजना में सउदी अरब की कंपनी अरामको और उसकी भागीदार संयुक्त अरब अमीरात की एडनॉक ने 50 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए करार पर हस्ताक्षर कर रखे हैं।

महिला दिवस पर गौरबहरी में कार्यक्रम

नवीन कदम / न्यूज

तमनार। विकास खंड तमनार के ग्राम गौरबहरी में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आरोह फाउंडेशन एवं वित्तीय सहयोग एचडीएफसी बैंक द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सलिहाभाठा,जोबरो, हमीरपुर बिजना, भगोरा, खुरसलेंगा के महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं शामिल हुए। कार्यक्रम में महिलाओं को सशक्त बनाने उनको आगे लाने तथा उनकी आर्थिक स्थिति सुधार करना जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई साथ ही विभिन्न विभागों से आए अधिकारी द्वारा अपनी योजना तरीकों को बताया गया श्रीमती गीतांजलि पटनायक जी द्वारा महिलाओं के उत्थान, आत्मनिर्भरता, आर्थिक सुदृठता हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यकर्ताओं में जुबेर अहमद

खान सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा प्रोग्राम की शुरुआत की गई उनके द्वारा संस्था के माध्यम से महिला एवं स्वयं को मजबूत बनाने तथा उनकी जीबन स्तर को सुधार करने के लिए किए गए कार्यों तथा योजना का विवरण बताया गया साथ ही दुर्गेश चौहान कृषि विशेषज्ञ द्वारा कृषि संबंधी जानकारी बताई गई अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति थी जिन्होंने अपनी भूमिका निभाई।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जेएल कुशवाहा पशुपालन विभाग,रवि राठौर उदित नारायण नगाइच कृषि विभाग गीतांजलि पटनायक जिला अध्यक्ष योग शिविर, कस्तूरी ओम शांति, सतीश टंडन सुभाष प्रधान आनंद, संजीव गुप्ता आयुर्वेद विभाग की उपस्थिति रही। नारायण सुशील गुप्ता गोविंद गुप्ता सत्यभामा का सराहनीय योगदान रहा।

पेट्रोल पंप पर इस्तेमाल हुए 500, 1000 रुपये के पुराने नोटों का आकंड़ा नहीं: आरबीआई

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि नोटबंदी के दौरान पेट्रोल पंप , रेलवे टिकट और बिजली पानी आदि के बिलों के भुगतान में लोगों द्वारा इस्तेमाल किए गए 500 और 1,000 रुपये पुराने नोटों का उसके पास कोई आंकड़ा नहीं है। माना जा रहा है ऐसे भुगतानों के जरिए ऐसे नोट अच्छी खासी संख्या में पुनः बैंकों में वापस आ गए थे। आरबीआई ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई एक जानकारी के जवाब में यह बात कही। ज्ञात हो कि आठ नवंबर 2016 को 500 और 1,000 रुपये के पुराने नोटों को बंद करने का अप्रत्याशित निर्णय किया गया था। लेकिन लोगों की सहूलियत के लिए सरकार ने 23 सेवाओं के बिलों का भुगतान कुछ समय के लिए ऐसे पुराने नोट के जरिए करने की छूट दे रखी थी। इन सेवाओं में सरकारी अस्पताल , रेल , सार्वजनिक परिवहन , हवाई अड्डों पर विमान टिकट , दुग्ध केंद्रों , श्मशान / कब्रिस्तान , पेट्रोल पंप , मेट्रो रेल टिकट , डॉक्टर के पर्चे पर सरकारी और निजी फार्मेसी से दवा खरीदने , एलपीजी गैस सिलेंडर , रेलवे खानपान , बिजली और पानी के बिल , एएसआई स्मारकों के प्रवेश टिकट और पथ-कर नाकों पर शुल्क आदि शामिल थे। सरकार ने 25 नवबंर 2016 से 500 और 1,000 रुपये के पुराने नोट बदलने पर रोक लगा दी थी और इन उक्त सेवाओं के लिए केवल सिर्फ 500 का पुराना नोट स्वीकार करने की अनुमति दी थी। यह अनुमति 15 दिसंबर 2016 तक के लिए दी गई थी। हालांकि , सरकार ने 2 दिसंबर 2016 से पेट्रोल पंप और हवाई अड्डों पर टिकट खरीदने में 500 रुपये के पुराने नोटों का इस्तेमाल भी रोक दिया था। आरटीआई के जवाब में रिजर्व बैंक ने कहा , बिलों के भुगताने के लिए इस्तेमाल किए गए पुराने नोटों के संबंध में हमारे पास जानकारी उपलब्ध नहीं है। आरबीआई ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि 500 और 1,000 रुपये के 99.3 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। नोटबंदी के समय 500 और 1,000 रुपये मूल्य वाले 15.41 लाख करोड़ रुपये के नोट चलन में थे। इनमें से 15.31 लाख करोड़ रुपये के नोट बैंकों के पास वापस आ चुके हैं। अमान्य या बदले गए पुराने नोटों की संख्या और मूल्य को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में रिजर्व बैंक ने 28 नवंबर 2016 को जारी बयान का हवाला दिया। इसमें कहा गया था कि 10 नवंबर से 27 नवंबर तक बैंकों में 8,44,982 करोड़ रुपये के चलन से बाहर किए जाने वाले नोट जमा किए गए हैं या बदले गए हैं। इसमें कहा गया था कि इनमें से 33,948 करोड़ रुपये के पुराने नोट बदले गए थे और 8,11,033 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा , बैंकों के काउंटर पर निर्दिष्ट बैंक नोटों (एसबीएन) के बदलने की सुविधा 24 नवंबर , 2016 तक उपलब्ध थी। आरबीआई ने यह भी कहा कि उसके पास बीमा पॉलिसी जैसे केवाईसी अनुरूप उत्पादों को खरीदने में उपयोग किए गए एसबीएन की संख्या की जानकारी नहीं है। केंद्रीय बैंक ने आरटीआई के एक हिस्से को भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) को भी भेजा है । इरडा ने भी कहा है कि बीमा पॉलिसी के भुगतान में उपयोग होने वाले पुराने नोट के बारे में उसके पास जानकारी नहीं है क्योंकि प्राधिकरण ऐसे आंकड़े नहीं रखता।

सरकार ने छठे, सातवें दौर की कोयला खान नीलामी रद्द की

नईदिल्ली। केंद्र ने कोयला खानों की नीलामी के छठे और सातवें दौर को रद्द कर दिया है। इनके जरिए सरकार की 19 कोयला ब्लॉकों की बिक्री की योजना थी। कोयला मंत्रालय ने बोलीदाताओं को भेजे नोटिस में कहा कि नीलामी के छठे और सातवें चरण को रद्द कर दिया गया है। हालांकि , सरकार के नीलामी प्रकिया रद्द होने के कारण के बारे में नहीं बताया है। मंत्रालय ने कहा , इसके बाद , कोयला खदानों की निविदा प्रक्रिया निरस्त हो गई है। सरकार ने छठे दौर के तहत एल्युमीनियम , सीमेंट लौह एवं इस्पात समेत नियमित क्षेत्र के लिए 13 कोयला ब्लॉकों की नीलामी की घोषणा की थी। इसके अलावा सातवें दौर में लौह एवं इस्पात क्षेत्र के लिए छह कोकिंग ब्लॉक की नीलामी होनी थी। इन 19 ब्लाकों में कंपनियों को अपने उत्पादन का 25 त्न कोयला खुले बाजार में बेचने की छूट देने की भी व्यवस्था थी। सरकार को उम्मीद है कि इससे नीलामी अधिक आकर्षक होगी। ऐसे कोयले की खुले बाजार में बिक्री सरकारी क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया द्वारा तय दामों पर ही की जा सकती थी।

महिला दिवस पर जानकी कॉलेज में हुआ सम्मान समारोह का आयोजन

रायगढ़। महिला दिवस के अवसर पर जानकी कॉलेज आफ एज्यूकेशन धनुहार डेरा व प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय चक्रधरनगर रायगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इस समारोह कि मुख्य अतिथि श्रीमति कुंती रमाकान्त प्रसाद विशिष्ट अतिथि श्रीमति नीलावती -नंदकुमार पटेल व श्रीमति भावना दिनेश पटेल रही। कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमति सौम्या यशवंत कुमार थी।

प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रागण में बहुत ही सादगी के वातावरण में महिलाओं ने महिला उत्पीड़न, घरेलु हिंसा आदि के बारे में सकारात्मक चर्चायें हुई एवं अतिथियों ने कहा की महिलायें आज भी जागरुकता के अभाव में शोषण की शिकार होती हैं। किन्तु सभी आगंतुकों व अतिथियों नें संस्था की भूरि-भूरि प्रशंसा की क्योंकि सम्मान हेतु चयनित व्यक्तित्व अपनी- अपनी विषम परिस्थितियों से निकल कर समाज में अपना वजूद बना कर शालिनता व शान से अपना जीवन निंवाह कर रही हैं। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्जवलन सें हुआ उसके उपरांत जानकी कॉलेज की छात्राओं द्वारा स्चागत गीत प्रस्तुत किया गया व तत्तपष्चात अतिथियों का प्रेरक उदबोधन हुआ जिसनें सभा में जोश भर दिया। प्रियंका अभिषेक श्रीवास्तवा ने प्रत्येक सम्मान प्राप्तकर्ता की सफल संघर्ष की कहानी बताते हुए मंच पर सम्मान हेतु आमंत्रित किया व अतिथियों द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह व पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया गया।

इनका हुआ सम्मान

आरती स्वर्णकार, हसीना बानों, कांती लीवरी, लक्ष्मी कश्यप, रोहिनी पटनायक, ललिता कुर्रे, सरस्वती महापात्रा, मंगजी बाई, चैताली राय विश्वास। ये सभी महिलायें अपने-अपने परिस्थितियों से निकल कर स्वात्तिय ही जीवन व्यतित कर रही है। अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर आभार प्रदर्शन जानकी कॉलेज आफ एज्यूकेशन की संचालिका श्रीमति तृप्ति अग्रवाल द्वारा किया गया व स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

तराईमाल मे 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ प्रारंभ

नवीन कदम / न्यूज

तमनार। केलो नदी के किनारे माँ बंजारी के गोद में बसा ग्राम तराईमाल ब्लॉक तमनार में 24 कुण्डीय चार दिवसीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन 9 से 12 मार्च को आयोजित किया गया है। परम् पूज्य गुरुदेव वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा के सूक्ष्म संरक्षण में धरती पर स्वर्ग का अवतरण एवं मानव में देवत्य जगाने 24 कुंडीय गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया है। प्रथम दिन शनिवार को शांतिकुंज हरिद्वार के धर्म प्रतिनिधियों के आध्यात्मिक सानिध्य में कलश यात्रा का पूजन पश्चात पित्तवस्त्रो में सुसज्जित मातृशक्ति महिलाओं एवं कन्याओं के द्वारा पूर्ण श्रद्धा एवं उत्साह के साथ क्षेत्र में कलश यात्रा निकाली गई। क्षेत्र के सभी धर्म प्रेमियों बंधुओं, महिलाओं एवं माताओं ने इसमें पूर्ण सहयोग दिया। शाम को प्रवचन एवं संगीत का आयोजन रखा गया। रविवार को सुबह 24 कुण्डीय यज्ञ, पूर्ण वैदिक विधान से संपन्न हुआ। क्षेत्रवासी अपने जातिगत भेदभावों को भुलाकर पूर्ण श्रृद्धा एवं आस्था के साथ यज्ञ में सम्मिलित हुए। शाम को शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे टोलीनायक श्री ओम प्रकाश जी ठाकुर एवं उनके सहयोगियों ने बहुत ही प्रेरणादायक प्रवचन एवं मधुर संगीत द्वारा जन जागृति का संदेश दिया गया। रविवार को यज्ञ स्थल पर जिला समन्वयक श्री क्षीरसागर पटेल के प्रेरणादायी विचारों एवं जिला कार्यकारिणी के श्री केदारनाथ डनसेना, श्री रामचरण सिदार एवं अन्य की उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम के आयोजन में लोकनाथ मालाकार, नरसिंह मालाकार एवं समस्त ग्रामवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आगामी कार्यक्रम सोमवार 11 मार्च सामूहिक जप ध्यान एवं योग व्यायाम, गायत्री महायज्ञ , संगीत, प्रवचन एवं दीप महायज्ञ मंगलवार 12 मार्च सामूहिक जप ,ध्यान एवं योग व्यायाम, गायत्री महायज्ञ, विभिन्न संस्कार एवं पूर्णाहुति टोली विदाई होगी।आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुभक्तजनो से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पुण्य की भागीदार बनने की अपील किया गया है।